UNNAT BHARAT ABHIYAN

Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

(News Clipping)

18 अक्टूबर 2020

आईआईटी रुड़की में आयोजित वेबिनार को पद्मश्री महेश शर्मा ने संबोधित किया

गांवों के विकास को करने होंगे साझा प्रयास

रुड़की | **कार्यालय संवाददाता**

आईआईटी रुड़की इंस्टिट्यूट लेक्चर सीरीज एवं उन्नत भारत अभियान, क्षेत्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी रुड़की की ओर से पार्टिसिपेटरी एंड सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंट- एन एक्सपेरीमेंट इन झाबुआ पर वेबिनार आयोजित किया गया। पद्मश्री महेश शर्मा ने गांवों के विकास के लिए मिलजुल कर काम करना होगा।

मध्य प्रदेश के जिला झाबुआ में एक लाख ग्यारह हजार जल संरचनाओं का निर्माण कर 700 से भी अधिक गांवों की तस्वीर बदल देने वाले पद्मश्री महेश शर्मा ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने अनुभव साझा किए। बताया कि जब उन्होंने 1998 में एमपी के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले को अपनी कर्मस्थली बनाया तो पांच वर्षों तक उन्हें समस्याओं को समझने तथा ग्रामीणों का विश्वास हासिल करने में लग गए। ग्रामीणों के सहयोग की बदौलत उनके नेतृत्व में हलमा अभियान द्वारा जल, जंगल एवं जमीन के लिए शुरू किए गए। अभियान ने झाबुआ की बंजर भूमि के सैकड़ों गांवों को हरा-भरा कर दिया। 2007 में आदिवासी ग्रामीणों के सहयोग से शिवगंगा नाम का एक संगठन बनाकर ग्रामीणों को संगठित किया। आदिवासियों की प्राचीन परम्परा हलमा यानी सभी ग्रामवासियों का मिलजुलकर गांव के विकास के लिए बिना किसी स्वार्थ के परमार्थ की भावना से काम करना प्रारम्भ किया। आज झाबुआ के 700 से भी अधिक गांवों में करोड़ों लीटर पानी जमीन में उतरा।

उन्नत भारत अभियान : आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने कहा कि पदमश्री महेश शर्मा के मॉडल पर शोध करने के लिए देश के कई आईआईटी, आईआईएम सहित अन्य विश्वविद्यालयों के शोधार्थी काम कर रहे हैं। आईआईटी रुड़की के उप निदेशक प्रो. मनोरंजन परिदा ने कहा कि आने वाले समय में हम सभी को ऐसे ही समन्वित प्रयास से ग्रामीण विकास के सपने को साकार करना है।